दक्षिण एशियाई सूफी संगीत महोत्सव में राजस्थान पुलिस के कलाकारों का शानदार प्रदर्शन

गुलाबी नगरी जयपुर में 14 से 16 अक्टूबर 2016 को दक्षिण एशियाई सूफी संगीत महोत्सव डिग्गी पैलेस जयपुर में आयोजित किया गया। इस महोत्सव के समापन सत्र में राजस्थान पुलिस के कलाकारों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी गई। श्री राजेन्द्र शेखर, पूर्व महानिदेशक पुलिस राजस्थान के मुख्य आतिथ्य तथा महानिदेशक पुलिस श्री मनोज भट्ट सहित पुलिस विभाग के सेवा निवृत्त तथा सेवारत अधिकारियों तथा देश विदेश के सुधि श्रोतागणों की गरिमामय उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सूफी संगीत जो अमीर खुसरो, कबीर, मीराबाई, बुल्लेशाह जैसे संतो की वाणी को साकार कर आत्मा से परमात्मा के मिलन की अनुभुति करवा कर समर्पण भाव को प्रस्तुत करता है। इसी को साकार करने के लिए आयोजित इस महोत्सव में राजस्थान पुलिस के कलाकारों के प्रदर्शन हेतु राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक राजीव दासोत के शीर्ष, सफल नेतृत्व तथा मार्गदर्शन में समापन समारोह में प्रस्तुति हेतु कार्ययोजना तैयार की गई। इस कार्ययोजना को मूर्त रुप दिया राजस्थान पुलिस अकादमी के सेन्ट्रल बैण्ड तथा यहां के प्रशिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थियों ने, जिन्होने पूर्ण मनोयोग से प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम की शुरुआत में राजस्थान पुलिस सेन्ट्रल बैण्ड ने राजस्थान के स्वागत गीत केसरिया बालम की प्रस्तुति देकर सभी मेहमानों का स्वागत किया। इसके पश्चात राजस्थान पुलिस अकादमी के प्रशिक्षक श्री सुबै सिंह ने सुफियाना अन्दाज में '' लागी तुझसे मन की लगन'' प्रस्तुत किया जिसे श्रोताओं द्वारा काफी सराहा गया। इसके पश्चात सेन्ट्रल बैण्ड ने 14वीं शताब्दी की अमीर खुसरो की रचना '' मौसे नैना मिलाय के '' को आधुनिक रुप में प्रस्तुत किया। तैराकी प्रशिक्षक श्री पूनम शर्मा ने जयदीप गौसाई की रचना '' आज मेरे पिया घर आये '' को काफी आकर्षक रुप में प्रस्तुत किया। शाहबाज कलन्दर के सम्मान में गाया जाने वाले गीत '' दमादम मस्त कलन्दर '' को जब सेन्ट्रल बैण्ड द्वारा प्रस्तुत किया गया तो श्रोता झूम उठे। कार्यक्रम की अगली कडी में श्री सुबै सिंह ने जयदीप साहनी की रचना '' मौला मेरे मौला '' को प्रस्तुत किया तो पूरा माहौल सूफियाना रुप मे नजर आया।

कार्यक्रम की अन्तिम प्रस्तुति राजस्थान पुलिस अकादमी के बैण्ड प्रशिक्षुओं की टीम ने प्रस्तुत की। पश्चिमी राजस्थान के लंगा – मांगणियार की परम्परा व विरासत को कोजे खान, जबल खान व उनकी टीम ने प्रस्तुत किया। खडताल व मोरचंग की जुगलबन्दी से प्रारम्भ हुई इस प्रस्तुति ने जब '' दमादम मस्त कलन्दर '' की धुन पे गाना प्रारम्भ किया तो सभी श्रोता झूम उठे तथा अनेक श्रोता अपने कदमों को रोक नहीं पाये तथा नाचने लगे। प्रस्तुति की समाप्ति पर सभी श्रोताओं ने खडे होकर इस टीम का अभिवादन किया तथा तालियों गडगडाहट से पूरा पाण्डाल गूंज उठा।

पुलिस महानिदेशक श्री मनोज भट्ट, पुलिस महानिदेशक (हाउसिंग) श्री जसवंत संपतराम, पूर्व पुलिस महानिदेशक के एस बैंस सहित पधारे सभी अतिथियों ने कलाकारों के प्रदर्शन की सराहना की तथा राजस्थान पुलिस अकादमी के संयोजन में आयोजित इस शानदार कार्यक्रम के लिए निदेशक श्री राजीव दासोत को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति जोशी द्वारा किया गया।